- । शिवावलः शिवो केकी मेचनादानुलास्य [ग्रपि] ॥ ३०॥
- 2 केका [वाणी मयूरस्य]
- [समी] चन्द्रक-मेचकी।
- 4 शिखा चूउा
- र्शवण्उस् [तु] पिच्छ-वर्हे [नपुंसके]॥ ३१॥
- 6 बगे विह्ङ-विह्ग-विह्ङम-विह्ययसः b।
- र शकुन्ति-पिक्ष-शकुनि-शकुन्त-शकुन-द्विजाः॥ ३२॥
- 8 पतित्र-पत्रि-पत्रा-पत्तत्-पत्र्याण्उजाः <sup>°</sup>।
- 9 नगोको वाजि-विक्रि-वि-विष्क्रिर-पतत्रयः <sup>d</sup> ॥ ३३ ॥
- 10 नीउोद्भवा गरूत्मन्तः <sup>°</sup> पित्सन्तो <sup>f</sup> नभसङ्गमाः।
- 11 [तेषां विशेषा] हारीतो है मद्गः कारण्उवः प्रवः ॥ ३४॥
- 12 तित्तिरि: h कुक्कभो लावो जीवंजीवश् चकोर्कः।
- 13 कोयछिकष् टिश्भिकों वर्तको वर्तिका <sup>j</sup>-[-द्यः] ॥ ३५॥
- 14 गरूत्-पत्त k-क्रदाः पत्रं पतत्रं [च] तनूरुहं।
- (2) Cri du paon. (3) OEil de sa queue. (4) Sa crête. (5) Sa queue. (6-10) Oiseau en général. (11-13) Oiseaux divers énumérés : le hârita est le pigeon vert, columba hurriala; le madgou, un oiseau de mer; le kârandava, une espèce de canard; le tittiri, le francolin; le koukkoubha, un coq sauvage, phasianus gallus; le lâva, une sorte de caille perdix chinensis; le djîvandjiva, peut-être un faisan; le tchakoraka, une espèce de perdrix, perdix rufa, B.; le t'itt'ibhaka, le jacana, ou tringa goensis, le vartaka, une caille mâle; la vartikâ, sa femelle, [Outre d'autres oiseaux comme le matsyaranga, ou martin-pêcheur, etc.] (14) Aile.
- \*Fém. et neut.; aussi masc. वर्ह:. b Sing. विहाया:. पत्रथ-म्राउतः s Sing. पतित्रः. Sing. पतितः. b Ou तित्रिः. Et रिरिभकः. Également वर्तका. k Aussi masculin पत्तं et पत्तम् neutre.